तापमान

अधिकतम 34 .3 डिग्री
न्यूनतम 14 .5 डिग्री

हरिभूमि

सोनीपत भूमि

रोहतक, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

11 लाडो लक्ष्मी योजना के लिए लगेंगे कैंप

12 नहाय-खाय के साथ आज से शुरू होगा छठ महापर्व

खबर संक्षेप

बार एसो. प्रधान के साथ युवकों ने की हाथापाई

खरखौदा। दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार युवकों ने खरखौदा बार एसोसिएशन प्रधान आशुतोष सरोहा की कार के आगे मोटरसाइकिल खड़ी कर उनके साथ हाथापाई की और देख लेने की धमकी दी। एडवोकेट आशुतोष सरोहा ने बताया कि वह अपना कार्य निपटाकर कार से बस अड्डे के सामने स्थित अपने निजी कार्यालय जा रहे थे। वह जैसे ही अपनी गली की ओर मुड़े तो सामने से मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों ने उनका रास्ता रोक लिया। थोड़ी देर में एक अन्य मोटरसाइकिल पर दो युवक भी वहां आ गए। चारों युवकों ने उनके साथ हाथापाई करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आसपास के दुकानदारों ने उन्हें युवकों से छुड़वाया। युवक उन्हें देख लेने की धमकी देकर चले गए। उन्होंने बताया कि चारों युवकों का बर्ताव व व्यवहार आपराधिक प्रवृति का लगता है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

निःशुल्क महिला स्वास्थ्य जांच शिविर कल

गन्नौर। आनन्दमूर्ति गुरुमां के मार्गदर्शन में ऋषि चैतन्य आश्रम के सौजन्य से तथा एम्स नई दिल्ली के सहयोग से निःशुल्क महिला स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन रविवार, 26 अक्तूबर को ऋषि चैतन्य आश्रम, गन्नौर, सोनीपत में आयोजित होगा। शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान करना है। शिविर में महिलाओं के लिए गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जांच, स्तन कैंसर जाँच, सामान्य स्त्री रोग परामर्श, स्वास्थ्य शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम जैसी सेवाएं निःशुल्क प्रदान की जाएंगी। शिविर के माध्यम से महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच की महत्ता समझाने और उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित किया जाएगा। शिविर में क्षेत्र के विधायक देवेंद्र कादियान भी शिरकत करेंगे।

मंडोरा में सर्विस स्टेशन से सामान चोरी, केस

खरखौदा। मंडोरा गांव के एक खेत में बने सर्विस स्टेशन से चोरों ने समान चोरी कर लिया है। जितेंद्र ने बताया कि सुबह के समय जब वह है अपने खेत में बने सर्विस स्टेशन पर गया तो उसने कमरे के दरवाजे का कुंडा टूटा हुआ पाया। जांच करने पर पता लगा कि जरनेटर का बैटरा, 2 इनवर्टर बैट्री, कैमरे का डीवीआर व 4 हॉर्स पावर की कंप्रेसर मोटर चोरी हो गई है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जल्द ही खुलासा करेंगे।

मामूली कहासुनी से गहरी दोस्ती खूनी रंजिश में बदली, अब तक तीन की जान गई

रंजिश ने उजाड़े दो घर, पहले गया था एक युवक अब पिता-पुत्र की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

एक समय की बात है जब गोपालपुर के मोहित और खरखौदा के नितिन सैनी के बीच गहरी दोस्ती हुआ करती थी। छह साल पहले गहरे दोस्त थे दोनों, इसी बीच मामूली कहासुनी ने दोनों के बीच रंजिश पैदा कर दी। रंजिश भी इतनी बढ़ गई कि अब तक इस रंजिश में तीन लोग अपनी जिंदगी गवां बैठे हैं। शुक्रवार को खरखौदा में हुई दो हत्याएं इसी रंजिश का नतीजा हैं। पांच साल पहले हुई नितिन सैनी की हत्या के बाद ही गोपालपुर की किस्मत में एक हत्या लिखी जानी थी, जोकि शुक्रवार को मोहित और उसके पिता धर्मबीर की हत्या के तौर पर लिखी गई।

- पांच साल पहले नितिन सैनी की हत्या के बाद पनपी रंजिश

नितिन सैनी की हत्या के आरोप में मोहित जेल चला गया था। जमानत मिलने के बाद मोहित बाहर आ गया था।

इसी दौरान 29 अक्तूबर, 2024 को मोहित पर जानलेवा हमला हुआ। जिसमें उसे गोली मारी गई थी। पुलिस ने उस मामले में खरखौदा के राहुल व सन्नी व गढ़ी सिसाना के अंकुश को गिरफ्तार किया था। हालांकि बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ और मोहित को लगा कि अब मामला शांत है। मोहित के दादा बुधराम ने मामले में गवाही न देने की बात कही गई है। बुधराम ने बताया कि वर्ष 2020 में खरखौदा के नितिन सैनी की हत्या के मामले में मोहित का नाम आने के बाद से ही नितिन का परिवार रंजिश रखे थे। पिछले साल जब मोहित पर हमला किया गया था। तब तीन युवक गिरफ्तार हुए थे, लेकिन कुछ समय बाद वे राजीनामा के बहाने मोहित के संपर्क में आने लगे थे। दादा का कहना है कि उसी रंजिश के चलते इस बार उन्होंने पिता-पुत्र की हत्या की साजिश रची।

खरखौदा। मौके पर जांच करती पुलिस कर्मी।

खरखौदा। फ्लाईओवर की रेलिंग में फंसी स्कॉर्पियो गाड़ी

2020 में गायब हुआ था नितिन सैनी

बता दें कि गोपालपुर निवासी मोहित और खरखौदा के वार्ड-6 निवासी नितिन सैनी के बीच मामूली कहासुनी के बाद रंजिश हो गई। नितिन 12वीं कक्षा तक पढ़ाई करने के बाद अपने ननिहाल झज्जर के आसौदा में जाकर रहने लगा था। 17 नवंबर, 2020 को वह लापता हो गया था। परिजनों ने पुलिस को बताया था कि उसके दो दोस्त गोपालपुर निवासी मोहित व नितिन कुमार बाइक पर उनके घर आए थे और उनके बेटे नितिन सैनी को अपने साथ ले गए थे। परिवार ने नितिन सैनी के दोस्तों से पूछा तो उसका सुराग नहीं लगा था। तब पुलिस में गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कराया था।

बर्फ तोड़ने वाले सुए से किया था हमला : इस मामले में तत्कालीन थाना प्रभारी बिजेंद्र सिंह की टीम ने गोपालपुर निवासी मोहित व नितिन को हिरासत में लेकर पूछताछ की थी तो उन्होंने नितिन सैनी की हत्या को कबूल किया था।

उन्होंने बताया था कि करीब छह माह पहले उनकी नितिन सैनी के साथ मामूली बात पर कहासुनी हो गई थी, उसका बदला लेने के लिए ही उन्होंने उसे घर से बुलाया और फिर केएमपी के रास्ते आईएमटी की जमीन पर उगी झाड़ियों के बीच जाकर उसका गला दबाने के साथ ही बर्फ तोड़ने के सुए से हमला कर हत्या कर दी थी। तभी से ये मामला खूनी रंजिश में बदल गया।

इकलौते बेटा था मोहित, पत्नी गर्भवती, परिवार में मातम

हमलावरों की गोलियों का शिकार हुए मोहित अपने माता-पिता के इकलौते बेटा था। उसकी एक साल पहले ही शादी हुई थी। उसकी पत्नी वर्तमान में गर्भवती है। मोहित की छोटी बहन की शादी पहले ही हो चुकी है। मोहित घर पर अपने पिता के साथ खेती-बाड़ी में मदद करता था। इस घटना ने गोपालपुर और खरखौदा में सन्नाटा और शोक का माहौल है।

किराये की गाड़ी लाए थे हमलावर, जांच में जुटी पुलिस

पुलिस जांच में सामने आया है कि हमलावरों ने घटना को अंजाम देने के लिए किराये की सेल्फ ड्राइव गाड़ी का इस्तेमाल किया था। वारदात को अंजाम देने के लिए बदमाशों ने अब किराये की गाडियों का प्रयोग शुरू कर दिया है। यह पहला ऐसा मामला नहीं है इससे पहले किराये पर गाड़ी लेकर आपराधिक प्रवृति के लोग शराब तस्करी में भी पकड़े गए थे। खरखौदा शहर में भी अब किराये पर सेल्फ ड्राइव के लिए गाड़ियां मिल जाती है। सेल्फ ड्राइव गाड़ियों में गाड़ी उपलब्ध कराई जाती है, जिसे चलाने के लिये चालक नहीं दिया जाता। किराए पर लेने वाले ही ऐसे गाड़ी खुद चलाते हैं।

सोनीपत में वायु गुणवत्ता फिर बिगड़ी, एक्यूआई पहुंचा 220, अब निगम उतरा मैदान में

सड़कों पर होगा छिड़काव, पेड़ों पर जमी धूल और कणों पर छोड़ी जाएगी पानी की बौछारें

मेयर ने अधिकारियों की ड्यूटी लगाई, नियमों की अनदेखी करने वालों पर होगी सख्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

वातावरण में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ने से रोकने के लिए नगर निगम ने एतियात के तौर पर क़दम उठाने की तैयारी कर ली है जिसमें सड़कों पर छिड़काव, पेड़ों पर जमी मिट्टी उतारने के लिए पानी की बौछार, निर्माण कार्यों पर निगरानी के लिए कनिष्ठ अभियंताओं की ड्यूटी लगायी गई है। निगम कार्यालय में शुक्रवार को ग्रेप- II की पाबंदियों को लेकर आयोजित बैठक में मेयर राजीव जैन ने कहा कि अधिकारी ध्यान रखे कि सड़क पर प्रदूषण बढ़ाने के लिए कोई भी गतिविधि हो रही हो तो उसे रोकने का काम करें।

कूड़ा जलाने वालों की खैर नहीं

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों एवं सड़कों पर पड़े मिट्टी रेत के ढेर को ढका जाये। सेनेटरी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि कोई भी सफ़ाई कर्मचारी कूड़े को जलाने का प्रयास न करें और कहीं कूड़े के ढेर में आग लग जाए तो उसे तुरंत बुझाने का काम किया जाए। उन्होंने कहा कि आगजनी की घटनाओं को सहन नहीं किया जाएगा, ऐसा करने वालों कार्रवाई की जाएगी।

रोड स्वीपिंग मशीनों को चलाने, एंटी स्मोकिंग गन खरीदने पर चल रहा विचार

मेयर राजीव जैन ने रोड स्वीपिंग मशीनों को चलाने, एंटी स्मोकिंग गन ख़रीदने पर भी ज़ोर दिया। नगर निगम आयुक्त हर्षित कुमार ने कहा कि नागरिक ग्रेप- II की पाबंदियों का पालन करने में सहयोग करें अथवा निगम को सख़्त क़दम उठाने पड़ेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रदूषण का स्तर बढ़ने से रोकना ख़ुद हमारी सेहत के लिए भी ज़रूरी है इसलिए अपनी ड्यूटी को पूरी मुस्तैदी से करें। उन्होंने कहा कि लापरवाही को सहन नहीं किया जाएगा। बैठक में सह आयुक्त अनिल दून, कार्यकारी अभियंता विशाल गर्ग, पदम भूषण, अजय निराला एवं सफ़ाई निरीक्षक साहब सिंह, सतेंद्र दहिया समेत तमाम अधिकारी मौजूद रहे।

खराब श्रेणी में फंसी हवा, ग्रैप-2 लागू होने के बावजूद नहीं थमा प्रदूषण

सोनीपत। दीपावली के बाद जिले की हवा लगातार जहरीली होती जा रही है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार की उम्मीद के बीच हालात और बिगड़ गए हैं। गुरुवार को सोनीपत का एक्यूआई 220 दर्ज किया गया, जबकि एक दिन पहले यह 214 था। यह लगातार चौथा दिन है जब शहर की हवा 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। प्रशासन द्वारा ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप)-2 लागू किए जाने के बावजूद प्रदूषण पर काबू नहीं पाया जा सका है। शहर के कई इलाकों में खुले में कूड़ा जलाने, सड़क किनारे धूल उड़ने और वाहनों से निकलते धुएं ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

बढ़ते प्रदूषण के कारण लोगों की सेहत पर सीधा असर पड़ रहा है। अस्पतालों में सांस और दमा के मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। सोनीपत का एक्यूआई 220 दर्ज किया गया, जो पिछले दिन के मुकाबले छह अंक अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्तर लगातार 'खराब' श्रेणी में बना हुआ है। वायु में पीएम-2.5 और पीएम-10 के कणों की मात्रा सामान्य से तीन गुना अधिक पाई गई है। वहीं ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप)-2 लागू होने के बाद भी सड़कों की सफाई और पानी का छिड़काव प्रभावी तरीके से नहीं हो रहा। कई क्षेत्रों में खुले में कूड़ा जलाने की घटनाएं जारी हैं। इससे प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास कमजोर पड़ रहे हैं। जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

अस्पतालों में बढ़ी मरीजों की संख्या

खराब हवा का असर अब स्वास्थ्य पर दिखने लगा है। जिले के अस्पतालों में रोजाना 80 से 100 नए मरीज सांस, दमा और एलर्जी की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार, बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे अधिक असर पड़ रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि जिन लोगों को पहले से दमा या सांस से जुड़ी दिक्कतें हैं, वे सुबह और शाम के समय बाहर निकलने से बचें। आवश्यक हो तो एन-95 मास्क का प्रयोग करें और घरों में हवा शुद्ध करने के उपाय अपनाएं। इससे ही प्रदूषण से बचा जा सकेगा।

जासगी में दो पक्षों के झगड़े में चले तेजधार हथियार

- झगड़े में चार लोग घायल, पुलिस ने शुरू की मामले की जांच
- घायलों को बीपीएस राजकीय महिला कालेज के अस्पताल ले जाया गया

गोहाना। गांव जासगी में दो पक्षों में झगड़ा हो गया। दोनों की तरफ से एक-दूसरे पर तेजधार हथियारों से हमला किया गया। झगड़े में चार लोग घायल हो गए और उनको बीपीएस राजकीय महिला कालेज के अस्पताल ले जाया गया। बरोदा थाना में केस दर्ज किए गए। अंकित ने पुलिस को बताया कि उसने मेडिकल स्टोर कर रखा है। गुरुवार को वह अपने मकान के बाहर खड़ा था, उसी समय राजपाल भी गली में आ गया। गली में उनके मकान के सामने पत्थर का बीम डाल रखा है, जिसको लेकर राजपाल व उसके व उसके पिता सुरेंद्र के साथ कहासुनी हो गई और गाली देने लगा। गाली देने से मना करने पर उसने हमारे साथ मारपीट शुरू कर दी। उसके स्वजन भी आए और मारपीट करने लगे। शोर सुनकर मेरी दादी धन्नो बीच बचाव करने के लिए आई उसके साथ मारपीट की। अंकित के अनुसार उस पर तेजधार हथियार से वार किया गया। आसपास के लोग एकत्रित होने पर वे धमकी देकर चले गए। अंकित व धन्नो देवी को अस्पताल ले जाया गया।

दूसरे पक्ष से सुरजीत ने पुलिस को बताया कि सुरेंद्र और उसके स्वजन ने उन पर तेजधार हथियार से हमला किया। मेरा चचेरा भाई कृष्ण बीच बचाव के लिए आया तो उस पर भी हमला किया। सुरजीत के अनुसार उसकी मां किताबो व वह स्वयं घायल हो गया। उनको भी अस्पताल ले जाया गया।

रंजिश में गोलीबारी, एक युवक अस्पताल में भर्ती

पिपली फायरिंग केस में छह आरोपी गिरफ्तार अन्य लोगों की धरपकड़ करने में जुटी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

सोनीपत पुलिस ने पिपली गांव में फायर कर जानलेवा हमला करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई को एसयूएजी यूनिट सेक्टर-7, क्राइम यूनिट खरखौदा और थाना खरखौदा की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया। गिरफ्तार आरोपियों में भूपेंद्र निवासी सिसाना, टीनू निवासी गोपालपुर, दिशांत और आकाश निवासी पिपली, अभय निवासी नोनन्द (रोहतक) तथा विनय उर्फ भांजा निवासी गोहाना शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि सभी को शनिवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा। थाना खरखौदा में दर्ज शिकायत के अनुसार, 23 अक्टूबर की सुबह पिपली निवासी नवीन अपने भाई सुरेश, चचेरे भाई दीपक और अन्य परिजनों के साथ घर के आंगन में बैठा था। इसी दौरान गांव सिसाना निवासी भूपेंद्र, उसका भाई जितेंद्र उर्फ धोला और उनके साथ 8-10 अन्य युवक हथियारों व लाठी-डंडों से लैस होकर पूर्व सरपंच रामनिवास के प्लॉट की ओर गए। वहां पहुंचकर उन्होंने गालियां दीं और हमला बोल दिया। भगत और सुरेश को लाठी-डंडों से पीटा गया, जबकि रोकने पर भूपेंद्र और उसके साथियों ने फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से नवीन घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए रोहतक के कायनोस अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस अधिकारी बोले- कड़ी कार्रवाई करेंगे

नवीन ने अपनी शिकायत में बताया कि उसके चाचा रामनिवास का पहले भी भूपेंद्र और उसके भाई से विवाद हुआ था, जिसमें उन पर गोली चलाई गई थी। उसी पुरानी रंजिश के चलते यह हमला किया गया। थाना प्रबंधक निरीक्षक देवेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य संभावित आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि यह हमला पुरानी रंजिश का परिणाम है और मामले में कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कार खरीदने जा रहे युवक से बदमाशों ने नकदी भरा बैग छीना

सोनीपत। जिले में झपटमारी की वारदात लगातार बढ़ती जा रही है। शुक्रवार को भी एक झपटमारी की वारदात सामने आई है। गांव फाजिलपुर के अड्डे पर सफेद रंग की कार सवार तीन-चार युवक एक युवक के हाथ से 4.70 लाख रुपये की नकदी से भरा बैग छीनकर भाग गए। वारदात उस समय हुई जब पीड़ित अपने दो दोस्तों के साथ पुरानी कार खरीदने के लिए जा रहे थे। पीड़ित के बयान पर सेक्टर-27 थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वेस्ट रामनगर निवासी सचिन ने सेक्टर-27 थाना में मुकदमा दर्ज कराया है कि वह बुधवार शाम को अपने दोस्त मोहन नगर निवासी मोहित और राम नगर निवासी देव के कार में सवार होकर पुरानी कार खरीदने निकले थे। वह कार देखने बहालगढ़ की तरफ जा रहे थे। पहले वह कालूपुर चुंगी के पास एक कार देखने गए थे, लेकिन सौदा तय नहीं हुआ। इसके बाद वह गांव रायपुर से फाजिलपुर की तरफ दूसरी कार देखने निकल पड़े।

बैग में थे 4.70 लाख रुपये

जब वह फाजिलपुर अड्डे पर सिगरेट और शीतल पेय पीने को रुके तो उसी समय रायपुर की तरफ से सफेद रंग की कार वहां आकर रुकी। कार से एक युवक उतरा और सचिन के हाथ से रुपये वाला बैग झपटकर भाग गया। बैग में 4.70 लाख रुपये थे। वह राशि को कार खरीदने के लिए लाए थे। सचिन ने बताया कि युवक कुछ ही सेकंड में वारदात को अंजाम देकर सफेद कार में सवार होकर भाग गए। कार में पहले से ही दो-तीन अन्य युवक बैठे हुए थे। सचिन ने पुलिस को बताया कि वह झपटमार को सामने आने पर पहचान सकते हैं। पुलिस ने सचिन के बयान पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मगरमच्छ अपनी जीभ बाहर नहीं निकाल सकते।

चमगादड़ एकमात्र स्तनधारी हैं जो उड़ सकते हैं।

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

प्रयोगशाला शिक्षक बन चमकाएं अपना करियर

कौन होता है प्रयोगशाला शिक्षक

प्रयोगशाला टीचर उच्च कक्षाओं में जो प्रयोगशाला होती है। उन प्रयोगशालाओं में अध्यापक के तौर पर प्रैक्टिकल करवाने वाले उम्मीदवार को कहा जाता है। प्रयोगशाला टीचर उच्च कक्षाओं यानी कि 10वीं 11वीं और 12वीं कक्षाओं में जो विज्ञान वर्ग के विषयों में प्रैक्टिकल करवाने का काम करते हैं, उनको कहा जाता है। प्रयोगशाला अध्यापक लैब में विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल करके हर चीज सिद्धांत के साथ समझाते हैं। विज्ञान विषय में प्रैक्टिकल काफी महत्वपूर्ण होता है। विज्ञान की थ्योरी पढ़ने के साथ-साथ प्रैक्टिकल के माध्यम से उस रिएक्शन और गतिविधि के बारे में संपूर्ण जानकारी विद्यार्थी लेते हैं और यह जानकारी देने का काम लैब टीचर करता है।

जरूरी योग्यताएं

जो विद्यार्थी प्रयोगशाला टीचर बनने का सपना देख रहे हैं। और प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए मेहनत कर रहे हैं। उन विद्यार्थियों को सबसे पहले लैब टीचर बनने के लिए जरूरी योग्यता को पूरा करना होगा योग्यता को पूरा करके ही आप प्रयोगशाला टीचर की भर्ती में आवेदन लगा सकते हैं और टीचर बनने के सपने को पूरा कर सकते हैं। प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए जरूरी योग्यता नीचे कुछ इस प्रकार से दी गई है:

- उम्मीदवार 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग के साथ पास किया हुआ होना अनिवार्य है।
- उम्मीदवार को उच्च शिक्षा के तौर पर आगे ग्रेजुएशन और मास्टर ग्रेजुएशन करना जरूरी है।
- बीएड की डिग्री हासिल करें।

करने होते हैं ये कार्य

प्रयोगशाला टीचर के कार्य कि यदि बात की जाए तो प्रयोगशाला टीचर शब्द से ही यह अंदाजा लगाया जा सकता है, कि ऐसा अध्यापक जो प्रयोगशाला में होने वाली गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने में अपनी मदद करता है। प्रयोगशाला में विद्यार्थियों को नए नए प्रयोग सिखाने और उनके बारे में जानकारी देने में प्रयोगशाला टीचर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यार्थियों को विज्ञान की कई प्रकार की रियक्शन और गतिविधियों से अवगत करवाता है। प्रयोगशाला टीचर विद्यार्थियों को प्रयोग सिखाता है और लैब की परीक्षाओं में एग्जाम करवाने का काम भी करता है।

कैसे बनें

प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए विद्यार्थियों को सबसे पहले 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग के साथ पास करनी होगी। विज्ञान वर्ग के साथ जो विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास कर लेता है। उसको नीचे दिए गए निम्नलिखित चरणों को फॉलो करते हुए आगे बढ़ना होगा।

ग्रेजुएशन पूरा करें : 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग में पूरा कर चुके विद्यार्थी किसी भी सब्जेक्ट के साथ ग्रेजुएशन कर सकता है। ग्रेजुएशन विज्ञान वर्ग से संबंधित होना अनिवार्य है। ग्रेजुएशन की डिग्री न्यूनतम 50% अंक के साथ पास करना काफी महत्वपूर्ण रहता है।

बीएड की डिग्री हासिल करें : 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग में पूरा कर चुके विद्यार्थी किसी भी सब्जेक्ट के साथ ग्रेजुएशन कर सकता है।

मास्टर डिग्री यानी की पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा करें : ग्रेजुएशन और बीएड की डिग्री लेने के पश्चात उम्मीदवार को पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री लेनी होती है। पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री लेने पर विद्यार्थी किसी भी एक विषय में मास्टर डिग्री हासिल कर लेता है और उस विषय से संबंधित प्रयोगशाला शिक्षक बनने के लिए योग्य भी हो जाता है। मास्टर डिग्री लेने वाले उम्मीदवार को अब आने वाली प्रयोग शाला शिक्षक भर्ती में आवेदन करने के लिए योग्यता मिल जाती है।

प्रयोगशाला टीचर भर्ती में आवेदन करें : लैब टीचर बनने के लिए उम्मीदवार को सरकार के द्वारा नियमित तौर पर निकाले जाने वाली प्रयोगशाला टीचर भर्ती में अपना आवेदन लगाना होगा। हालांकि जो विद्यार्थी प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर बनना चाहता है। उस विद्यार्थी के लिए किसी भी भर्ती में आवेदन लगाने की जरूरत नहीं है। विद्यार्थी डिग्री कंप्लीट करने के बाद सीधा किसी भी प्राइवेट विद्यालय में ज्वाइन होकर प्रयोगशाला टीचर पद पर कार्यरत हो सकता है। लेकिन सरकारी प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए विद्यार्थी को प्रयोगशाला टीचर भर्ती में अपना आवेदन लगाना होगा। जब विद्यार्थी प्रयोगशाला टीचर भर्ती में आवेदन लगाता है। तो विद्यार्थी को प्रयोगशाला टीचर की सेलेक्शन प्रक्रिया से गुजरते हुए इस पद को हासिल करना होता है।

कितनी होती है सैलरी : प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर को 15,000 से 25,000 तक की सैलरी मिल जाती है। प्राइवेट विद्यालय में यह सैलरी कोई फिक्स नहीं है। उच्च स्तरीय प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर की सैलरी 50,000 तक भी हो सकते हैं। सरकारी प्रयोगशाला टीचर बनने के बाद उम्मीदवार की सैलरी की बात की जाए तो उम्मीदवार को शुरुआत में 40,000 तक की सैलरी मिलती है और 2 साल की अवधि पूरी होने के बाद उम्मीदवार को पहला प्रमोशन मिलता है। उसके बाद उम्मीदवार को 50,000 से 70,000 की सैलरी और ग्रेड पे के साथ-साथ अन्य कई प्रकार के सरकारी भत्ते की सुविधाएं भी मिलती है।

कैंसर उपचार की रीढ़ है रेडियोथेरेपी, मरीजों की आशा की किरण

जन सेवा के साथ करियर का बेहतरीन विकल्प 'रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट'

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

बीएससी इन रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी (B.Sc in Radiotherapy Technology) जन सेवा के साथ युवाओं को करियर का बेहतरीन विकल्प उपलब्ध करवा रही है। यह तकनीक जहां कैंसर के मरीजों में आशा की किरण है, वहीं मेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने वाले युवाओं को कामयाब होने के रास्ते दिखा रही है। इस क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए यह एक बेहतरीन कोर्स हो सकता है जो उनकी नौकरी की उम्मीदों को पंख दे सकता है। इसलिए युवा यह कोर्स कर अपने करियर को आसमान की बुलंदियों पर ले जा सकते हैं। आज के समय में दुनियाभर में बढ़ते कैंसर मामलों ने रेडिएशन थेरेपी की मांग को तेजी से बढ़ाया है। कैंसर के उपचार में रेडियोथेरेपी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और इसे सफलतापूर्वक देने वाले एक्सपर्ट रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में बीएससी इन रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी कोर्स युवाओं के लिए मेडिकल क्षेत्र में एक उत्कृष्ट करियर विकल्प बन चुका है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में जहां एक ओर डॉक्टर और ऑन्कोलॉजिस्ट का योगदान अहम होता है। वहीं, रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट पर्दे के पीछे से तकनीकी रूप से उपचार को सटीक और प्रभावी बनाते हैं। इनका कार्य रोगी के जीवन से सीधा जुड़ा होता है, इसलिए यह क्षेत्र न केवल वैज्ञानिक ज्ञान बल्कि मानवीय संवेदनाओं से भी परिपूर्ण है।

क्या है रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी

रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में उपयोग की जाने वाली रेडिएशन मशीनों को ऑपरेट करते हैं। ये प्रोफेशनल्स डॉक्टरों के निर्देश पर रोगी को सटीक मात्रा में विकिरण देते हैं, जिससे ट्यूमर को नष्ट किया जा सके और स्वस्थ ऊतकों को नुकसान न पहुंचे। आज के समय में रेडिएशन तकनीक अत्याधुनिक हो चुकी है जैसे रैखिक त्वरक (एलआईएनएसी), ब्रैकीथेरेपी, साइबरनाइफ और गामा नाइफ जैसी मशीनें, जिनके संचालन के लिए विशेष प्रशिक्षण आवश्यक होता है। रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की भूमिका केवल मशीन चलाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वे रोगी की सुरक्षा, मशीन की मेंटेनेंस और रेडिएशन डोज की सटीक गणना जैसे अत्यंत संवेदनशील कार्यों में भी शामिल होते हैं।

बढ़ते कैंसर मरीजों के कारण बढ़ी डिमांड

कोर्स की ये हैं जरूरी योग्यताएं

इस कोर्स में प्रवेश के लिए छात्र को 12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी/मैथ्स) न्यूनतम 50/55% अंकों के साथ पास होना चाहिए। सरकारी संस्थानों में केवल प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही दाखिला होता है। इसके लिए आप पहले कोचिंग भी ले सकते हैं। कई निजी संस्थान भी यह कोर्स संचालित कर रहे हैं, लेकिन छात्रों को संस्थान चुनते समय उसकी मान्यता और क्लिनिकल ट्रेनिंग सुविधा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके बाद ही संस्थान का चुनाव करें। चूंकि यह कोर्स तकनीकी और मरीजों के सीधे संपर्क से जुड़ा है, इसलिए व्यवहारिक ज्ञान इसकी सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर ध्यान रखना जरूरी है।

साढ़े 4 वर्ष का डिग्री कोर्स

बीएससी इन रेडियोथेरेपी एक साढ़े 4 वर्ष का डिग्री कोर्स है, जिसमें क्लासरूम टीचिंग, लैब ट्रेनिंग और हॉस्पिटल इंटर्नशिप शामिल होती है। अंतिम वर्ष में विद्यार्थियों को रेडिएशन विभाग में हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे वे वास्तविक मरीजों के साथ काम करने का अनुभव प्राप्त कर सकें। कुछ संस्थानों में छात्रों को प्रोजेक्ट कार्य, केस स्टडीज और वर्कशॉप्स के माध्यम से रिसर्च का भी अवसर मिलता है। इस दौरान उन्हें न केवल तकनीकी स्किल, बल्कि रोगियों के प्रति सहानुभूति और मानसिक मजबूती जैसे गुण भी विकसित करने पर बल दिया जाता है।

काम करके मिलता सुकून

रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें न केवल करियर की स्थिरता और उन्नति है, बल्कि कैंसर पीड़ितों की जिंदगी को बचाने का सुकून भी शामिल है। यह विज्ञान और मानवीय सेवा का सुंदर संगम है। यदि आप मेडिकल क्षेत्र में टेक्निकल एक्सपर्ट बनने के साथ समाज सेवा का जज्बा भी रखते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए उपयुक्त विकल्प हो सकता है। आने वाले वर्षों में जैसे-जैसे भारत में कैंसर उपचार सुविधाएँ बढ़ेंगी, वैसे-वैसे रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी।

कैंसर के उपचार में रेडियोथेरेपी की भूमिका सबसे कारगर, B.Sc in Radiotherapy Technology कोर्स युवाओं को दे रहा करियर बनाने का शानदार मौका

कोर्स करने के लिए प्रमुख संस्थान

1. पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक (पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, रोहतक)
2. पी.जी.आई. चंडीगढ़ (पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़)
3. एस.एम.एस. जयपुर (सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर)
4. बी.एच.यू. वाराणसी (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी)
5. जिपमर पुडुचेरी (जवाहरलाल इंस्टिट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पुडुचेरी)
6. एम्स दिल्ली (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली)
7. सी.एम.सी. वेल्लोर (क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर)

(नोट : इन संस्थानों से डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र देश-विदेश में उच्च पदों पर कार्यरत हैं और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में भारत की पहचान बना रहे हैं।)

यह मिल सकता है वेतन

शुरुआत में रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट का वेतन 30,000 रुपये से 45,000 रुपये प्रतिमाह तक हो सकता है। अनुभव के साथ और सरकारी अस्पतालों या प्रतिष्ठित संस्थानों में यह वेतन 60,000 रुपये से 80,000 रुपये प्रति माह तक भी पहुंच सकता है। विदेशों में यह प्रोफेशन और भी अधिक सम्मानजनक और उच्च वेतन वाला माना जाता है। साथ ही, जैसे-जैसे नई तकनीकें आ रही हैं जैसे आईएमआरटी-तीव्रता मॉड्यूलेटेड रेडिएशन थेरेपी, आईजीआरटी-इमेज गाइडेड रेडिएशन थेरेपी, एसआरएस/एसआरटी-स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी/स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी, एसबीआरटी-स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडिएशन थेरेपी आदि इस क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वालों की मांग और बढ़ रही है। निजी स्वास्थ्य संस्थान अब योग्य रेडिएशन टेक्नोलॉजिस्ट को आकर्षक वेतन पैकेज दे रहे हैं।

यहां नौकरी के अवसर

रेडियोथेरेपी कोर्स के बाद छात्र निम्न संस्थानों में नौकरी कर सकते हैं।

- कैंसर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स
- मेडिकल कॉलेज व रिसर्च सेंटर
- प्राइवेट डायग्नोस्टिक और रेडिएशन यूनिट्स
- सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रमों के तहत
- अंतरराष्ट्रीय हेल्थकेयर संगठनों में
- इसके अतिरिक्त, अनुभवी टेक्नोलॉजिस्ट रिसर्च, हेल्थ एजुकेशन, मेडिकल इक्विपमेंट कंपनियों या हेल्थ मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में भी अपना करियर बना सकते हैं।

हर नया दिन आपको सपनों को हकीकत में बदलने, बाधाओं को पार करने का देता मौका

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

छात्र जीवन एक ऐसी यात्रा है जो चुनौतियों, अवसरों और भविष्य को आकार देने वाले पलों से भरी होती है। हर नया दिन आपके सपनों को हकीकत में बदलने, बाधाओं को पार करने और सफलता की ओर बढ़ने का एक मौका देता है। यह पल आपके लिए है अपनी ऊर्जा को संजोने, अपने मन को एकाग्र करने और अपनी रचनात्मकता को प्रज्वलित करने का समय। यह व्याकुलता का नहीं, बल्कि दृढ़ निश्चय का समय है वर्तमान को थामने और उज्जवल भविष्य को गढ़ने का अवसर। छात्रों को अक्सर पढ़ाई, व्यक्तिगत विकास और तेजी से बदलती दुनिया की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने का भारी दबाव झेलना पड़ता है। हतोत्साहित होना या अपने लक्ष्यों से भटक जाना स्वाभाविक लग सकता है। लेकिन हर सुबह, हर बीतता क्षण, आपके सपनों के प्रति फिर से समर्पित होने का आह्वान है।

सोचे-समझे कदमों से करें शुरुआत

दिन के ये शुरुआती पल रचनात्मकता और मेहनत के लिए एक खुला कैनवास हैं। सोशल मीडिया, आत्म-संदेह या आलस्य जैसे व्याकुलताओं के आगे झुकने के बजाय, इस समय को अपनी प्रेरणा को बढ़ाने और अपनी ऊर्जा को सार्थक कार्यों में लगाने के लिए उपयोग करें। जैसा कि एक प्रेरक हिंदी कथन कहता है कि सुबह का यह पल तुम्हारा है। मेहनत और सपनों के साथ आगे बढ़ो, क्योंकि हर कदम तुम्हें तुम्हारे लक्ष्य के करीब ले जाता है। यह उद्धरण इस पल को थामने के सार को दर्शाता है। सुबह का यह समय, जब दुनिया संभावनाओं से भरी जाग रही होती है, आपके लिए एक नई शुरुआत है। आपकी मेहनत, आपके प्रिय सपनों के साथ मिलकर, आपको आगे बढ़ा सकती है। चाहे आप परीक्षा की तैयारी कर रहे हों, किसी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हों, या अपनी रुचियों को खोज रहे हों, यह वह समय है जब आपको पूरे उद्देश्य के साथ कार्य करना है। रचनात्मकता एक छात्र के रूप में आपकी सबसे बड़ी ताकत है। यह केवल किताबी ज्ञान या तथ्यों को रटने तक सीमित नहीं है; यह नए दृष्टिकोण अपनाने, अनोखे समाधान खोजने और चुनौतियों को रचनात्मक ढंग से हल करने के बारे में है। लेकिन व्याकुलताएं रचनात्मकता की सबसे बड़ी दुश्मन हैं। वे आपका ध्यान भटकाती हैं और उस ऊर्जा को कमजोर करती हैं जिसे आप सीखने और विकास में निवेश कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों को क्षणिक प्रलोभनों से ऊपर रखकर, आप अपने भविष्य को आकार देने की शक्ति को फिर से हासिल करते हैं। इस पल का अधिकतम लाभ उठाने के लिए, छोटे-छोटे, सोचे-समझे कदमों से शुरुआत करें। दिन के लिए स्पष्ट और प्राप्य लक्ष्य बनाएं, अपने कार्यों को छोटे हिस्सों में बांटें और अपनी हर छोटी उपलब्धि का उत्सव मनाएं।

हर सफल व्यक्ति एक छात्र

अपने चारों ओर सकारात्मकता लाएं -चाहे वह प्रेरक दोस्त हों, मार्गदर्शक शिक्षक हों, या एक शांत स्थान जो आपके विचारों को उड़ान दे। याद रखें, हर सफल व्यक्ति कभी एक छात्र था, जिसने हार नहीं मानी, जिसने सुविधा के बजाय संघर्ष को चुना, और जिसने हर चुनौती को एक अवसर के रूप में देखा। सुबह का यह समय आपके सपनों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता का प्रतीक बने। दुनिया आपके अनोखे योगदान, आपके विचारों और आपकी दृढ़ता की प्रतीक्षा कर रही है। इस पल को अपनाएं, अपनी रचनात्मकता को प्रज्वलित करें और अपने लक्ष्यों की ओर साहसपूर्वक कदम बढ़ाएं। एक छात्र के रूप में आपकी यात्रा केवल मंजिल तक पहुंचने की नहीं है यह उस रास्ते में अपने सर्वश्रेष्ठ स्वरूप को खोजने की है। तो, उठें, कर्म करें और हर क्षण को अमूल्य बनाएं।

खुद पर भरोसा करो, क्योंकि तुम्हारी ताकत तुम्हारे भीतर छिपी है

आत्मविश्वास सफलता की नींव है। यह उद्धरण छात्रों को अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने और उसका उपयोग करने के लिए प्रेरित करता है। जब आप खुद पर विश्वास करते हैं, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं लगता। छात्र जीवन एक ऐसी अवस्था है जहां हर दिन एक नया सबक लाता है। इन प्रेरणादायक उद्धरणों को अपने साथी बनाएँ और हर चुनौती को एक अवसर के रूप में देखें। जैसा कि पहले उद्धरण में कहा गया, "सुबह का यह पल तुम्हारा है। मेहनत और सपनों के साथ आगे बढ़ो, क्योंकि हर कदम तुम्हें तुम्हारे लक्ष्य के करीब ले जाता है।" इस पल को थामें, अपने भीतर की रचनात्मकता और जुनून को जगाएं, और अपने सपनों की ओर बढ़ते रहें। आपमें वह शक्ति है जो आपको दुनिया की ऊंचाइयों तक ले जा सकती है बस उस पर विश्वास करें और कदम बढ़ाएं।

सामान्य ज्ञान

1. यंग प्रत्यास्थायता गुणांक का एसआई मात्रक है
(ए) डाइन/सेमी.
(बी) न्यूटन/मी.
(सी) न्यूटन/मी.^{2}
(डी) मी.^{2}/से.

2. निम्नलिखित युग्मों में से किन भौतिक राशियों के सामान विमीय सूत्र नहीं है ?
(ए) बल एवं दाब
(बी) कार्य एवं उर्जा
(सी) आवेग एवं संवेग
(डी) भार एवं बल

3. एक खगोलीय इकाई संबंधित है -
(ए) सूर्य एवं पृथ्वी के बीच की दूरी से
(बी) चन्द्रमा एवं पृथ्वी के बीच की दूरी से
(सी) सूर्य, चन्द्रमा के बीच की दूरी से
(डी) उपरोक्त में से कोई नही

4. निम्नलिखित में से कौन-सी अविमीय राशि है ?
(ए) विकृति
(बी) श्यानता गुणांक
(सी) गैस नियतांक
(डी) प्लांक नियतांक

5. निम्नलिखित में से कौन एक सदिश राशी नही है
(ए) संवेग
(बी) वेग
(सी) कोणीय वेग
(डी) द्रव्यमान

6. अदिश राशी है
(ए) उर्जा
(बी) बल आघूर्ण
(सी) संवेग
(डी) उपरोक्त सभी

7. निम्नलिखित में से कौन सी एक सदिश राशी है
(ए) संवेग
(बी) दाब
(सी) उर्जा
(डी) कार्य

8. निम्नलिखित में से कौन सी राशी सदिश नही है
(ए) विस्थापन
(बी) वेग
(सी) बल
(डी) आयतन

उत्तर 1.(सी) 2.(ए) 3.(ए) 4.(ए) 5.(डी) 6.(ए) 7.(ए) 8.(डी)

खबर संक्षेप

बिजलीकर्मी 26 नवंबर को पंचकूला में प्रदर्शन करेंगे

गोहाना। ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन के राज्य कमेटी के सदस्य सुरेश यादव ने बताया कि बिजलीकर्मी 26 नवंबर को अतिरिक्त मुख्य सचिव के कार्यालय पर पंचकूला में प्रदर्शन करेंगे। यह निर्णय 22 अक्टूबर को रोहतक में सुखपुरा चौक स्थित कर्मचारी भवन में ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन की केंद्रीय परिषद की बैठक में लिया गया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की विभिन्न मांग लंबित हैं। इनमें कच्चे कर्मचारियों को पक्का कराना, 5000 रुपए महीना जोखिम भत्ता, खाली पड़े पदों पर नियमित भर्ती क्लर्क कर्मचारियों को वर्दी व अन्य भत्ते, एक्सग्रेसिया पॉलिसी व पुरानी पेंशन बहाल कराने, ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को रद्द कराना आदि शामिल हैं।

टीम ने भैंसवाल में किया फसल कटाई प्रयोग

गोहाना। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने क्षेत्र में धान की औसत पैदावार का पता लगाने के लिए फसल कटाई प्रयोग शुरू कर दिए हैं। शुक्रवार को अधिकारियों व कर्मियों ने गांव भैंसवाल कलां में प्रयोग किया। इस दौरान निरीक्षण के लिए विभाग के एएसओ विनोद हुड्डा पहुंचे। उन्होंने कहा कि फसल कटाई प्रयोग पूरी तरह से आनलाइन प्रक्रिया को अपनाकर किया जाता है। यह एप के माध्यम से मौके पर पहुंचकर किया गया। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी अपने-अपने क्षेत्र के सभी गांवों में धान, बाजरा, कपास, मक्का, गन्ने का फसल कटाई प्रयोग करें। जिस भी क्षेत्र विशेष में औसत उत्पादन कम होता है वहां पर बीमा करवाने वाले किसानों को लाभ मिलता है।

बैनर लेकर स्वच्छ राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया

गोहाना। गोहाना-सोनीपत मार्ग स्थित ईश्वर इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। विद्यार्थियों ने रैली में हाथों में स्लोगन लिखे बैनर लेकर स्वच्छ राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया। रैली का मार्गदर्शन स्कूल के एमडी अनिल मलिक ने किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता ही राष्ट्र के विकास के आधार है। स्वच्छ राष्ट्र निर्माण की शुरूआत हमारे घर से होती है। राष्ट्रहित में हर व्यक्ति का यह नैतिक कर्तव्य बनता है कि वह अपने घर के साथ आसपड़ोस को भी साफ-सुथरा रखने में योगदान दे। विद्यार्थियों ने गांव जौली और बड़ौता में रैली निकालकर ग्रामीणों को स्वच्छता का महत्व बताया।

प्राप्त अंक पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे

छुट्टियां खत्म, जिले भर में चौथी से 12वीं तक की परीक्षाएं प्रारंभ, शिक्षकों ने शैक्षणिक मूल्यांकन भी किया शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

त्यौहारी छुट्टियां खत्म होते ही अब परीक्षाओं का दौर शुरू हो गया है। विशेषतौर पर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड से संबंद्ध स्कूलों में शुक्रवार से ही अर्ध वार्षिक परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। परीक्षाओं का शेड्यूल विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने पहले ही जारी कर दिया था, उसी शेड्यूल के अनुसार जिले भर में चौथी कक्षा से 12वीं कक्षा तक की परीक्षाएं शुरू हो गई है। परीक्षा के उपरांत शिक्षकों को विद्यार्थियों का शैक्षणिक मूल्यांकन भी करना शुरू कर दिया है। बता दें कि विद्यालयों में प्रथम दिन प्रार्थना सभा के बाद सुबह 9 से 12 बजे तक विद्यार्थियों की परीक्षा ली गई।

85315 विद्यार्थी अर्धवार्षिक परीक्षा में लेंगे भाग

जिला में कक्षा चौथी से 12वीं तक के कुल 85315 विद्यार्थी अर्धवार्षिक परीक्षा में भाग लेंगे। कक्षा चौथी व पांचवीं की 28 अक्तूबर, छठी से 10वीं तक की 31 अक्तूबर व 11वीं व 12वीं तक की 6 नवंबर तक परीक्षाएं होंगी। परीक्षा के बाद नियमित रूप से सभी कक्षाएं लगाई जाएंगी। कक्षा चौथी व पांचवीं के बच्चों की चार विषयों, कक्षा छठी से 10वीं तक सात विषयों और कक्षा 11वीं व 12वीं तक विभिन्न 10 विषयों पर परीक्षाएं होंगी। परीक्षाओं को नकल रहित संचालित करवाने के लिए विद्यालय स्तर पर तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि अर्धवार्षिक परीक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों के शैक्षिणक मूल्यांकन का आंकलन किया जा रहा है। विद्यार्थी जिस विषय में कमजोर होंगे, उनकी बेहतर तरीके से तैयारी करवाई जाएगी। अर्धवार्षिक परीक्षाओं में विद्यार्थियों के प्राप्त अंक पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। कार्य को पूरा करवाने की जिम्मेदारी स्कूल मुखियाओं को सौंपी गई है।

सोनीपत। परीक्षा के दौरान उपस्थित परीक्षार्थी। फोटो :हरिभूमि

परीक्षा को गंभीरता से लें विद्यार्थी

राजकीय विद्यालयों में शुक्रवार से अर्धवार्षिक परीक्षाएं प्रारंभ की गई हैं। जिलास्तर पर प्रश्न पत्र प्रिंट करवाकर खंड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से सभी विद्यालयों में समय पर पहुंचाए गए। सभी विद्यार्थी परीक्षा को गंभीरता से लें, ताकि उनके शैक्षणिक स्तर का सही मूल्यांकन किया जा सकेगा। परीक्षाओं के बेहतर संचालन के लिए सभी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए हैं। *नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत*

चौथी-पांचवीं ने दी अंग्रेजी की परीक्षा

निदेशालय से प्राप्त शेड्यूल के अनुसार शुक्रवार को प्रथम दिन कक्षा चौथी व पांचवीं की अंग्रेजी विषय की परीक्षा हुई। कक्षा छठी की सामाजिक विज्ञान, सातवीं की हिंदी, आठवीं की ड्राइंग, संगीत, गृहविज्ञान विषय की परीक्षा हुई। इनके अलावा कक्षा नौवीं की सामाजिक विज्ञान, 10वीं की विज्ञान, 11वीं की फाइन आर्ट, संगीत, शारीरिक शिक्षा, 12वीं की कंम्प्यूटर विज्ञान व भूगोल शास्त्र की परीक्षा हुई। शनिवार को सभी कक्षाओं की अलग-अलग विषयों की परीक्षाएं ली जाएंगी।

राजलू गढ़ी से भोगीपुर गांव के बीच बनने वाली सड़क का बंद पड़ा निर्माण कार्य ।

राजलू गढ़ी-भोगीपुर सड़क निर्माण कार्य फिर करीब एक सप्ताह से बंद

लंबे समय बाद शुरू किया था विभाग की लापरवाही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

राजलू गढ़ी से भोगीपुर गांव के बीच बनने वाली सड़क का निर्माण कार्य एक बार शुरू करने के बाद दोबारा से बंद कर दिया है। मात्र आधा किलोमीटर की सड़क को पूरा करने में कई महीनों का समय बीत चुका है, लेकिन काम अभी तक पूरा नहीं हुआ। विभाग की सुस्ती और लगातार बहानों से ग्रामीणों में भारी रोष है। ग्रामीणों ने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क पर निर्माण सामग्री डालकर कई महीने से छोड़ रखी थी। कई महीने बाद विभाग ने अब काम शुरू किया था। लेकिन दोबारा फिर काम को बंद कर दिया है । जिससे ग्रामीणों में रोष है। उन्होंने बताया कि सड़क पर पड़ी कंक्रीट और मिट्टी के मिश्रण से दिनभर धूल उड़ती रहती है। इससे न केवल वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। लोगों का कहना है कि वे रोजाना इस रास्ते से गुजरते हैं और धूल के कारण आंखों में जलन व सांस लेने में दिक्कत होती है। सड़क का निर्माण करने वाला ठेकेदार पानी का छिड़काव भी नहीं करवाता। जिस कारण वे बेहद परेशान हैं। ग्रामीणों ने बताया कि विभाग के अधिकारी कई बार आश्वासन दे चुके हैं कि जल्द ही सड़क का कार्य पूरा किया जाएगा, लेकिन काम अधर में लटका देते है। कभी प्रदूषण नियंत्रण विभाग तो सावन माह में बरसात का बहाना बनाकर काम को लेट कर दिया।

जल्द पूरा करवाया जाए

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क का काम जल्दी करवाया जाए उसके बाद विभाग सर्दी होने का बहाना बनाकर सड़क पर लेयर नहीं डालेगा । मोगीपुर के निवासी विकास, वीरेंद्र ने बताया कि "सड़क अधूरी पड़ी है, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चे और बुजुर्गों को आने-जाने में भारी परेशानी होती है। अब धूल मिटटी के कारण जीना मुश्किल हो गया है। राजलू गढ़ी के ग्रामीणों ने कहा कि विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। यह सड़क दोनों गांवों को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। विभागीय अधिकारी दावा कर रहे हैं कि जल्द ही मौसम के अनुकूल होते ही सड़क पर बिटुमिन्यस लेयर बिछाने का कार्य शुरू किया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि यदि विभाग ने शीघ्र कार्य शुरू नहीं किया, तो वे विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस छोटी-सी सड़क को जल्द से जल्द पूरा करवाया जाए।

शनिवार और रविवार को भी होगा पंजीकरण

दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना: जिले में 44 हजार 533 महिलाएं पात्र: डीसी

पात्र महिला का ग्राम सचिव व पटवारी खुद करेंगे अपने स्तर पर पंजीकरण

मुख्य प्रधान सचिव व मुख्य सचिव ने जिला के अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना का फायदा ज्यादा से ज्यादा पात्र महिलाओं को जल्द से जल्द दिया जा सके, इसके लिए सोनीपत जिला प्रशासन ने अपनी कमर कस ली है। शुक्रवार को मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर व मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा प्रदेश के सभी उपायुक्त व अतिरिक्त उपायुक्तों के साथ विडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से बैठक कर कार्य की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान मुख्य प्रधान सचिव व मुख्य सचिव ने जिला के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक उपरांत उपायुक्त सुशील सारवान ने सभी संबंधित अधिकारियों की बैठक ली व कार्य की समीक्षा करते हुए आगामी आवश्यक कार्यवाही के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तार में चर्चा करी की कैसे जल्द से जल्द सभी पात्र महिलाओं को योजना का लाभ दिया जा सके। इस कार्य की आगामी दिनों के रूपरेखा तैयार कर उस पर कार्य करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने उपमंडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वो अपने उपमंडल स्तर पर प्राप्त सूची के अनुसार समय पर समय कार्य की समीक्षा करते रहे।

सोनीपत। बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारीगण। फोटो :हरिभूमि

योजना के दायरे से ये बाहर

योजना के दायरे से यह रहेंगे बाहर वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, विधवाद निराश्रित महिला के लिए वित्तीय सहायता, दिव्यांग पैंशन, लाडली सामाजिक सुरक्षा योजना, कश्मीरी विस्थापित परिवार के लिए वित्तीय सहायता, बौना भत्ता, तेजाब पीड़ित महिला/लडकी को वित्तीय सहायता, अविवाहित महिला को वित्तीय सहायता, पद्म पुरस्कार विजेताओं के लिए हरियाणा गौरव सम्मान योजना का लाभ लेने वाली महिलाएं दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के लिए पात्र नहीं होंगी।

कार्य को समय पर पूरा करने के आदेश

शुक्रवार को मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर व मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा प्रदेश के सभी उपायुक्त व अतिरिक्त उपायुक्तों के साथ विडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से बैठक कर कार्य की समीक्षा की गई।पटवारियों के साथ बैठक कर उन्हे आवश्यक दिशा-निर्देश दे। उन्होंने जिला में कार्यरत सभी बीडीपीओ को निर्देश दिए कि सभी ग्राम सचिवों से कार्य को समय पर करवाना सुनिश्चित करे। अगले दो दिनों के लिए सभी ग्राम सचिव अपने-अपने गांव में पात्र महिलाओं के एप की द्वारा फार्म भरना सुनिश्चित करे। उन्होंने डीडब्ल्यूओ को निर्देश दिए के वो सभी एसडीएम व बीडीपीओ के सम्पर्क में रहे व कार्य को करना सुनिश्चित करे। उन्होने पीओ को निर्देश दिए कि वो आगंनवाडी में सभी महिलाओं को इकट्ठा करवाना सुनिश्चित करे। जिससे ग्राम सचिवों की मदद हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि इस कार्य से सेल्फ हल्प ग्रुप की महिलाओं को भी जोडा जाए।

योजना के लिए ये महिलाए पात्र

इस योजना के लिए जिला की 44 हजार 533 महिलाएं पात्र है। इस योजना का लाभ लेने के लिए महिला की उम्र 23 वर्ष या इससे अधिक होनी चाहिए, कम से कम 15 वर्ष से हरियाणा की निवासी होनी चाहिए। इसके अलावा परिवार की आय एक लाख रुपए वार्षिक होनी चाहिए। तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कैंसर पीडित महिला, दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित महिला, हीमोफीलिया, थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया से ग्रसित महिला जो पहले से किसी अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ न ले रही हो वह ही दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के लिए पात्र हैं।

समावेशी शिक्षा पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राजकीय आदर्श संस्कृत वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मॉडल टाउन सोनीपत में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत दो दिवसीय जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन शुक्रवार को प्राचार्य व खंड समन्वयक संजीव कुमार दहिया की अध्यक्षता में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 30 सामान्य शिक्षक, 14 एसएमसी मेंबर, 5 आंगनवाड़ी वर्कर सहित कुल 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में तिलकराज व निर्मला उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण शिविर के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता।

इनका रहा सहयोग

तिलकराज ने श्रवण बाधित बच्चों के संचार में उपयोग होने वाली सांकेतिक भाषा के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया वो बताया कि संकेकित भाषा का इन बच्चों के जीवन में क्या भूमिका है। वहीं रिसोर्स पर्सन निर्मला ने दिव्यांगजन से संबंधित व्यवसायिक प्रशिक्षण व प्रावधान के बारे में प्रतिभागियों को बताया। समापन कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि डॉ. अत्तर सिंह जिला सहायक परियोजना समन्वयक पहुंचे। अंत में सभी प्रतिभागियों के ऋणात्मक प्रतिपुष्टि के आधार पर कार्यक्रम का सफल समापन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ब्लॉक सोनीपत के सभी विशेष शिक्षकों राजीव, मुकेश अहलावत, तिलकराज, विनती देवी, रविता, शशिबाला, प्राध्यापक पवन सीता राम व विनोद कुमार आदि का विशेष योगदान रहा।

खरखौदा। विडियो कार्यक्रम में मौजूद प्राध्यापक व विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

विद्यार्थियों को ज्ञानवर्धक वीडियो दिखाई

सोनीपत। राजकीय महाविद्यालय पीपली में प्राचार्या डॉ तराना नेगी के मार्गदर्शन में लीगल लिटरेसी सैल द्वारा समान नागरिक संहिता विषय पर विद्यार्थियों को ज्ञानवर्धक वीडियो दिखाई । समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे व्यक्तिगत कानूनों के संबंध में एक समान कानून बनाना है, जो धर्म और जाति से परे हो। समान नागरिक संहिता भारतीय सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण विषय है। जिसकी जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्या ने विद्यार्थियों को विभिन्न कानूनी मुद्दों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में समाज एवं देश की सेवा कर सके। कार्यक्रम का आयोजन नीरा, डॉ विनोद मलिक तथा मधुलता द्वारा किया गया।

कर्मियों ने नारेबाजी कर जताया रोष

ठेका सफाई कर्मचारियों की हड़ताल 23वें दिन जारी रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ठेका सफाई कर्मचारियों की हड़ताल शुक्रवार को 23वें दिन में प्रवेश कर गई। ठेका सफाई कर्मचारी एकता मंच संबंधित मूल निवासी कर्मचारी कल्याण महासंघ सहयोग बलि सेना यूनियन के बैनर तले चल रहे धरने की अध्यक्षता प्रधान मुकेश टांक ने की व संचालन प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुकेश कर्मा ने किया।

प्रधान मुकेश टांक ने बताया कि हटाए गए सफाई कर्मचारियों की समस्या को सुनने को ना तो अधिकारी और ना ही विधायक व मेयर सुनने को तैयार हैं।

सोनीपत। नगर निगम में विरोध प्रदर्शन करते ठेका सफाई कर्मचारी।

सफाई कर्मियों को वापस लेने की मांग

आज सफाई कर्मचारियों को हटाए एक महीने से ऊपर हो गया है। अधिकारियों व बीजेपी से विधायक निखिल मदान व राजीव जैन से बार-बार हटाए गए सफाई कर्मचारियों को नौकरी पर वापस लेने के आश्वासन दिया जा रहा है। सह सचिव युधिष्ठिर ने बताया कि अब तो ठेकेदार व निगम अधिकारियों ने सफाई कर्मचारियों पर जुल्म ढहाने शुरू कर दिए है। हर दिन 10 से 15 कर्मचारियों को हटा रहे हैं। हटाए गए कर्मचारियों की संख्या 50 से ऊपर हो गई है। आज भी सफाई कर्मचारी अपना काम कर 12 बजे नगर निगम में हटाए गए सफाई कर्मचारियों के समर्थन में इक्कठा हुए और प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने कहा कि जल्द ही हटाए गए कर्मचारियों को नौकरी पर वापस लिया जाए नहीं तो नगर निगम में दोबारा हड़ताल शुरू कर दी जाएगी।

पर्यावरण संरक्षण व नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर छात्राओं ने बनाए पोस्टर

कन्या महाविद्यालय में संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

कन्या महाविद्यालय, खरखौदा में इंचार्ज डॉ. किरन सरोहा के तत्वावधान में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. पूनम यादव के दिशा-निर्देशन में छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण व नशीली दवाओं के दुरुपयोग विषय पर पोस्टर बनाकर जन जागरूकता का संदेश दिया। छात्राओं ने शांति एवं एकता का सुंदर संदेश देते हुए आकर्षक पोस्टर तैयार किए। डॉ. किरन सरोहा ने छात्राओं को संयुक्त राष्ट्र संगठन की स्थापना एवं उसके उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. योगिता मलिक, डॉ. सुमिता, डॉ. सुषमा व डॉ. मीनाक्षी उपस्थित रहीं।

खरखौदा। नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर बनाए पोस्टरों को दर्शाते विद्यार्थी।

प्रतियोगिता खो-खो प्रतियोगिता जनता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बुटाना की टीम ने जीती

400 मीटर दौड़ में हैरिटेज इंटरनेशनल स्कूल गंगाना के शौर्य ने पाया पहला स्थान

खिलाड़ियों ने शैक्षणिक खंड मुंडलाना की खंड स्तरीय प्रतियोगिताओं में दिखाया दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शैक्षणिक खंड मुंडलाना की खंड स्तरीय स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं शुक्रवार को बिचपड़ी गांव स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित की गई। खेलों के शुभारंभ की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य धर्मपाल दहिया ने की। संयुक्त संयोजन प्राचार्य लवल किशोर, रामतीर्थ हुड्डा, प्रवीन सैनी, डीपीई सत्यवान और जयपाल लाठर का रहा। खंड स्तरीय खेलों में कबड्डी प्रतियोगिता गांव बिचपड़ी स्थित लक्ष्मी मॉर्डन स्पोर्ट्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की टीम ने जीती। खो-खो प्रतियोगिता जनता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बुटाना की टीम ने जीती। 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छतैहरा के विद्यार्थी लविस प्रथम व आदर्श मीडिल स्कूल मुंडलाना के विद्यार्थी आयुष द्वितीय, 200 मीटर दौड़ में हैरिटेज इंटरनेशनल स्कूल गंगाना के शौर्य प्रथम व राजकीय प्राथमिक पाठशाला खन्दराई के नितिन द्वितीय, 400 मीटर दौड़ में हैरिटेज इंटरनेशनल स्कूल गंगाना के शौर्य प्रथम व जनता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बुटाना के मयंक द्वितीय रहे। 20 किलोग्राम भारवर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता में राजकीय प्राथमिक पाठशाला बुसाना के दीपांशु प्रथम रहे। 22 किलोग्राम भारवर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता में हैरिटेज इंटरनेशनल स्कूल गंगाना के यश प्रथम व राजकीय प्राथमिक पाठशाला बुसाना के विक्की द्वितीय रहे।

गोहाना। दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ करते शिक्षकगण। फोटो :हरिभूमि

ये रहे विजेता

24 किलोग्राम भारवर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता में मिलका प्रथम व रमन द्वितीय, 26 किलोग्राम भारवर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता में दक्ष व निखिल, 30 किलोग्राम भारवर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता में कार्तिक व आयुष क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान पर रहे। ये खिलाड़ी क्रमशः हैरिटेज इंटरनेशनल स्कूल गंगाना और राजकीय प्राथमिक पाठशाला खन्दराई के रहे। 32 किलोग्राम भारवर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता में तेजस व तुषांत जबकि 34 किलोग्राम भारवर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता में निखिल व दीक्षित क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान पर रहे।

खबर संक्षेप

मायके गई थी शिक्षिका, पीछे से गहने चोरी

सोनीपत। नरेंद्र नगर में मायके गई हुई शिक्षिका के घर से 8 तोले सोने के गहने चोरी करने का मामला सामने आया है। चोरों ने घर के ताले तोड़कर अलमारी में रखे गहनों को चोरी कर लिया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। नरेंद्र नगर गली नंबर-छह निवासी उषा ने सिविल लाइन थाना में मुकदमा दर्ज कराया है कि वह हरसाना के स्कूल में जेबीटी शिक्षिका हैं। वह 21 अक्तूबर की शाम बच्चों सहित अपने मायके दिल्ली के गांव दरियापुर कलां गई थीं। जब वह 23 अक्तूबर को घर लौटीं तो देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला गायब था। अंदर पहुंचने पर कमरे का दरवाजा भी खुला मिला और बिस्तर व अलमारी का सामान बिखरा पड़ा था। घर में रखी लोहे की अलमारी का ताला टूटा हुआ था और उसमें रखे गहने जिसमें गले का हार, दो सोने के कड़े, दो जोड़ी बालियां और एक सोने की चेन गायब थे। चोरी हुए गहनों का वजन करीब 8 तोला है। उन्होंने पुलिस को अवगत कराया। पुलिस ने जांच के बाद चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मोबाइल फोन छीनने वाला आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। थाना कुंडली पुलिस ने मोबाइल फोन छीनने की घटना में संलिप्त आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित कपिल उर्फ कलुवा पुत्र जयदेव निवासी चांदपुर, जिला फरीदाबाद है। 23 अक्तूबर को रामनिवास नामक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि वह पार्कर मॉल के पास ऑटो में सवार था, तभी एक युवक उसका वीवो फोन छीनकर स्कूटी पर भाग गया। पीछा करने पर स्कूटी कॉलेज बस से टकराई और आरोपी को पकड़ा गया। पुलिस ने कानूनी कार्यवाही करते हुए मामला दर्ज किया। जांच अधिकारी उपनिरीक्षक महेंद्र ने आरोपित कपिल को गिरफ्तार कर चोरीशुदा फोन बरामद किया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है ताकि उससे आगे की पूछताछ की जा सके।

नाबालिग को अगवा करने वाला गिरफ्तार

सोनीपत। थाना सदर सोनीपत पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अगवा करने के मामले में आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान सावंत पुत्र संजय निवासी नैना ततारपुर, जिला सोनीपत के रूप में हुई है। 12 जुलाई को एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि उसकी नाबालिग बेटी 7 जुलाई को दुकान से सामान लेने गई थी, इसके बाद वापस नहीं लौटी। शिकायतकर्ता को शक था कि आरोपित सावंत ने लड़की का अपहरण कर छिपा रखा है। मामले में थाना सदर सोनीपत में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने न्यायालय के आदेशानुसार नाबालिग के बयान दर्ज करवाकर काउंसलिंग कराई। बाद में आरोपित सावंत को गिरफ्तार किया गया। अदालत ने उसे जेल भेज दिया।

महिलाओं का 36 घंटे का निर्जला उपवास मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के बाद होगा समाप्त

नहाय-खाय के साथ आज से शुरू होगा छठ महापर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

हिंदू धर्म के प्रमुख पर्वों में से एक छठ महापर्व इस वर्ष 25 अक्टूबर यानि शनिवार से आरंभ होकर 28 अक्टूबर, मंगलवार तक श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाएगा। सूर्यदेव और छठी मैय्या की उपासना के लिए समर्पित यह पर्व विशेष रूप से बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में अत्यंत धूमधाम से मनाया जाता है। चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व आत्मसंयम, पवित्रता और पर्यावरण के प्रति सम्मान का प्रतीक माना जाता है।

छठ व्रत को सबसे कठिन व्रतों में गिना जाता है। इसमें व्रती महिलाएं 36 घंटे तक बिना अन्न-जल ग्रहण किए उपवास रखती हैं। व्रत के दौरान सूर्यदेव को दो बार अर्घ्य दिया जाता है - पहले दिन अस्त होते सूर्य को और अगले दिन उगते सूर्य को। इस विधि के साथ व्रत पूरा होता है। छठ पर्व की तिथियों और उनकी धार्मिक महत्ता के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. मनमोहन मिश्रा ने बताया कि इन चार दिनों का अलग महत्व होता है। सूर्य की उपासना करते हुए श्रद्धालु अपने संतान के लिये यह व्रत रखते हैं। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि प्रकृति, जल, वायु और सूर्य की आराधना का प्रतीक है। यह मानव जीवन में ऊर्जा, संयम और सकारात्मकता के महत्व को दर्शाता है। इस पर्व के माध्यम से व्यक्ति सूर्य की शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है, जिससे जीवन में प्रकाश, स्वास्थ्य और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

पहला दिनः नहाय-खाय (25 अक्टूबर)

पर्व की शुरुआत नहाय-खाय से होती है। व्रती इस दिन पवित्र नदी या जलाशय में स्नान कर शुद्ध आहार ग्रहण करते हैं। इसी दिन से व्रत का शुभारंभ होता है। सूर्योदय सुबह 6 बजकर 28 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 5 बजकर 42 मिनट पर होगा।

दूसरा दिनः खरना या लोहंडा (26 अक्टूबर)

इस दिन व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास रखते हैं। शाम को मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी से गुड़ की खीर (रसिया) और घी की रोटी बनाकर सूर्यदेव की पूजा की जाती है। पूजा के बाद यही प्रसाद ग्रहण किया जाता है। इसके बाद व्रती अगले दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने तक अन्न और जल का पूर्ण त्याग करते हैं।

तीसरा दिनः संध्या अर्घ्य (27 अक्टूबर)

इस दिन व्रती निर्जला व्रत रखते हुए शाम को नदी या तालाब के जल में खड़े होकर ढलते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इस दिन सूर्यास्त शाम 5 बजकर 40 मिनट पर होगा।

चौथा दिनः ऊषा अर्घ्य और पारण (28 अक्टूबर)

अंतिम दिन व्रती उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इस दिन सूर्योदय सुबह 6 बजकर 30 मिनट पर होगा। अर्घ्य के बाद व्रती प्रसाद और जल ग्रहण कर 36 घंटे का कठोर व्रत संपन्न करते हैं।

महापर्व की तैयारी चरम पर, 12 से अधिक घाटों पर उमड़ेगी श्रद्धा की लहर, कड़ी सुरक्षा रहेगी

आज से शुरू होगा चार दिवसीय सूर्योपासना का पर्व, 1.25 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना

चार दिवसीय इस महापर्व को लेकर जिले में 12 से अधिक स्थानों पर घाटों का निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

भगवान सूर्यदेव और छठ माता की आराधना का पर्व छठ महापर्व जिलेभर में श्रद्धा और उत्साह के माहौल में मनाने की तैयारियां जोरों पर हैं। 25 अक्तूबर से आरंभ होने वाले चार दिवसीय इस महापर्व को लेकर जिले में 12 से अधिक स्थानों पर घाटों का निर्माण किया जा रहा है, जहां करीब 1.25 लाख श्रद्धालु पूजा-अर्चना करेंगे।

नगर निगम और ग्राम पंचायतों की टीमें घाटों की सफाई और प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त करने में जुटी हैं।छठ महापर्व लोक आस्था का ऐसा पर्व है जिसमें सूर्यदेव की उपासना के साथ पवित्रता, अनुशासन और समर्पण की झलक देखने को मिलती है। यह पर्व कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से शुरू होकर सप्तमी को व्रत पारण के साथ संपन्न होता है। व्रती महिलाएं कठिन नियमों का पालन करते हुए निर्जला व्रत रखती हैं और अस्ताचल तथा उदयाचल सूर्य को अर्घ्य देती हैं।

यहां बनाए गए घाट

सोनीपत में यमुना नदी की दूरी अधिक होने के कारण श्रद्धालु शहर और आसपास के क्षेत्रों में अस्थायी घाटों और कुंडों का निर्माण कर पूजा करते हैं। पश्चिमी यमुना लिंक नहर के अलावा कई मोहल्लों और कॉलोनियों में जलकुंड बनाकर व्रती महिलाएं सूर्यदेव को अर्घ्य देंगी। शहर के कबीरपुर, कालूपुर चुंगी, बाबा कॉलोनी, रोहट नहर, कुंडली के न्यू शिवपुरी दुर्गा मंदिर, राजकीय विद्यालय, एचएसआईआईडीसी क्षेत्र, बीसवां मील, गढ़ मिरकपुर, बेगा घाट, मिमारपुर घाट, एटलस रोड मंदिर, ककरोई गांव नहर और बड़वासनी नहर पुल के पास प्रमुख घाटों पर तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि सभी घाटों की सफाई का कार्य शनिवार तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही रोशनी, सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का भी इंतजाम किया जा रहा है। छठ घाटों पर रंगाई-पुताई और सजावट का काम भी शुरू हो गया है। बाजारों में पूजा सामग्री की दुकानों पर भीड़ बढ़ने लगी है। फल, ईख, नारियल और प्रसाद सामग्री की खरीदारी जोरों पर है। श्रद्धालुओं में उल्लास और भक्ति का माहौल देखते ही बनता है।

तैयार हो रही 20 भैरव बटालियन

भाजपा सरकार में लगातार मजबूत हो रही सेना : परशुराम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

राष्ट्रहित मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता परशुराम गौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार में हमारी सेना के हाथ लगातार मजबूत हो रहे हैं। आज हमारे देश की सेना किसी भी देश भी दुश्मन देश की सेना के दांत खट्टे करने का मादा रखी है। भारतीय सेना अब 20 भैरव बटालियन तैयार कर रही है जिससे सेना को नई ताकत मिलेगी। परशुराम गौड़ ने कहा कि जब से भाजपा सत्ता में आई तब से भारतीय सेना काफी मजबूत हुई है। आज हमारी सेना उन सभी आधुनिक हथियारों से लैस है जिनकी वर्तमान में जरूरत है। अब चाहे पाकिस्तान हो या फिर चीन कोई भी भारत से सीधे टकराने की हिम्मत नहीं रखता। पाकिस्तान की तो हमारी सेना ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर से ऐसी कमर तोड़ी है कि वह दोबारा से हमारी तरफ आंख उठाने की हिमाकत नहीं करेगा। भाजपा नेता परशुराम गौड़ ने कहा कि अब हमारी सेना 20 भैरव बटालियन तैयार कर रही है। पांच भैरव लाइट कमांडो पहले से ही हमारी सेना में विभिन्न हिस्सों में तैनात हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की दूरदर्शी नीतियों से आज भारतीय सेना विश्व की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है।

क्राइम यूनिट कुंडली ने 8.65 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा आरोपित

सोनीपत। क्राइम यूनिट कुंडली की पुलिस टीम ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान सोमबीर पुत्र जगदीश निवासी बडवासनी हाल ऋषि कॉलोनी सोनीपत के रूप में हुई है। 23 अक्तूबर को सहायक उपनिरीक्षक मनोज पुलिस टीम सहित कामी रोड, सब्जी मंडी क्षेत्र में गश्त पर था, तभी सूचना मिली कि सोमबीर शुगर मिल के पास चिट्टा बेचने की फिराक में खड़ा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपित को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसकी पाजामी की जेब से 8.65 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपित कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। पुलिस ने उसे मादक द्रव्य पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया। जांच अधिकारी विक्रम ने आरोपित को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा।

अवैध हथियार सहित दो आरोपी गिरफ्तार, केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

जिले की क्राइम यूनिट कुंडली पुलिस ने अवैध हथियार की घटना में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने एक आरोपी के पास से देशी पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किया है, जबकि दूसरे आरोपी ने उसे यह हथियार मुहैया कराया था। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान राहुल उर्फ शेरा निवासी शामडी जिला सोनीपत और रोहित उर्फ रंगा निवासी लाखू बुआना जिला पानीपत के रूप में हुई है।

23 अक्तूबर को क्राइम यूनिट कुंडली के मुख्य सिपाही अनिल और उनकी टीम को सूचना मिली थी कि राहुल उर्फ शेरा कुराड़ बाईपास पर अवैध पिस्तौल के साथ किसी से मिलने की फिराक में खड़ा है। सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में आरोपी को मौके से दबोच लिया गया। तलाशी लेने पर उसकी पैंट की जेब से 315 बोर की एक देशी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपी कोई लाइसेंस या परमिट नहीं दिखा सका।आरोपी से पूछताछ में पता चला कि यह हथियार उसे रोहित उर्फ रंगा ने उपलब्ध कराया था। इसके बाद पुलिस ने रोहित को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपितों को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। मामला शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज कर जांच जारी है।

गवाही देने पर धमकी देने क आरोप

राई। खेवड़ा गांव की एक महिला का आरोप है कि उसके भाइयों ने एससी-एसटी एक्ट के एक मामले में कोर्ट में गवाही दी थी। जिस पर गांव के कुछ प्रभावशाली लोगों ने उस पर हमला किया है। उसे जातसूचक गालियां व जान से मारने की धमकी दी है। महिला ने पुलिस कमिश्नर व बहालगढ़ थाना के एसएचओ को शिकायत दी है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। बैंयापुर खुर्द गांव निवासी कुसुम ने बताया कि खेवड़ा गांव में उसका मायका है। वह भैयादूज पर अपने मायका आई हुई थी। उसे घर आने के बाद पता चला कि सरपंच ने गांव के एक व्यक्ति के खिलाफ एससी- एसटी का मुकदमा दर्ज करा रखा है। जिस मामले में उसके भाइयों प्रदीप व राकेश ने सरपंच के खिलाफ कोर्ट में गवाही दी थी। इसी वजह से गांव के प्रभावशाली लोग उसके परिवार से रंजिश रखने लगे। पुलिस को दी शिकायत में महिला का आरोप है कि उसके भाई कोर्ट में गए हुए थे। इस बीच कुछ लोगों ने उसके साथ मारपीट की और जातिसूचक गालियां दी। महिला ने इसकी शिकायत पुलिस आयुक्त व बहालगढ़ थाना में दी है। बहालगढ़ थाना के एसएचओ अनिल ने कहा कि महिला की शिकायत आई है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। जो भी दोषी होगा। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

चोरी की मोटरसाइकिल सहित युवक गिरफ्तार, जेल भेजा

सोनीपत। जिले की क्राइम यूनिट सेक्टर तीन की पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल सहित युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी तरुण उर्फ डमरू पुत्र चरण सिंह निवासी लिवान जिला सोनीपत बताया गया है। जानकारी के अनुसार 23 अक्तूबर को मुख्य सिपाही बिंटू पुलिस टीम सहित गश्त के दौरान लिवान गांव के पास मौजूद था। तभी सूचना मिली कि एक युवक चोरी की बिना नंबर की स्पलैंडर मोटरसाइकिल पर घूम रहा है। पुलिस ने तुरंत लिवान मोड़ पर नाकाबंदी की और कुछ देर बाद आरोपी तरुण उर्फ डमरू को बाइक सहित पकड़ लिया। जांच के दौरान वह मोटरसाइकिल के कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। जिपनेट पर जांच करने पर पता चला कि मोटरसाइकिल 10 सितंबर 2025 को थाना शाहीन बाग, दिल्ली से चोरीशुदा है। मामले में थाना राई में अभियोग दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सरकार की नीतियों से किसान परेशान, 16 को करेंगे प्रदर्शन

सोनीपत। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन जिला कमेटी की एक मीटिंग अशोक विहार कार्यालय में संगठन के अध्यक्ष कामरेड हंसराज राणा की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग का संचालन सचिव जयकारण दहिया ने किया। मीटिंग में धान की समय पर खरीदारी न करने सरकार की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि किसान पहले ही ज्यादा बारिश से फसलों का बहुत नुकसान हुआ है। पीआर धान जो सरकार को ही खरीदना होता है उसमें हफ्ते से भी ज्यादा फसल नहीं खरीदी जा रही है। किसान बहुत ही दुखी हैं। समय पर डीएपी और यूरिया खाद न मिलने के कारण किसान की परेशानी बढ़ रही है। इससे गेहूं व अन्य फसलों की बुवाई में प्रभाव पड़ रहा है। हुलहेड़ी व आसपास के किसानो की अभी भी सैकड़ो एकड़ जमीन पानी में डूबी हुई है। अगर यह पानी नहीं निकाला गया तो अगली फसल भी नहीं बोई जा सकेगी। किसान बर्बादी के कगार पर है। पीड़ित किसानों को इसका पूरा मुआवजा दिया जाए। स्मार्ट मीटर के माध्यम से प्रीपेड बिल लिए जाएंगे और ये मीटर बहुत तेज चलते हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने किया विकास कार्यों का शुभारंभ

पानी की निकासी के लिए 4.25 करोड़ से बिछाई जाएगी स्टॉर्म वाटर लाइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

शुक्रवार सुबह विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन वार्ड नं 4 के सेक्टर 15 में हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में पहुंचे। जहां उन्होंने नगर निगम द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों का नारियल तोड़कर शुभारंभ किया। इस दौरान निगम पार्षद बबीता कौशिक, जिला प्रवक्ता भाजपा त्रिभुवन कौशिक और क्षेत्र के सभी गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।विधायक निखिल मदान ने बताया कि सेक्टर 15 चौक हाउसिंग बोर्ड में राजू डेयरी वाली गली और पूरे सेक्टर 15 और हाउसिंग बोर्ड की बरसाती पानी की निकासी के लिए ड्रेन नंबर 6 तक स्टॉर्म वाटर लाइन बिछाने का कार्य आज शुरू किया गया है। इस कार्य को लगभग 4 करोड 25 लाख रुपए की लागत से पूरा किया जाएगा। इसके बाद इस क्षेत्र के लोगों को बरसाती पानी के कारण होने वाले जल भराव से निजात मिलेगी। विधायक ने कहा कि उन्होंने मेयर रहते हुए अपने कार्यकाल में सेक्टर 15 की मुख्य मार्केट वाली सड़क पर स्टॉर्म वाटर लाइन बिछाने का कार्य करवाया था लेकिन किन्हीं कारणवश उस लाइन का कनेक्शन ड्रेन नंबर 6 से नहीं हो पाया था।

सोनीपत। विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए विधायक, मेयर साथ में पार्षद एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

जलभराव वाले स्थानों की पहचान

मेयर राजीव जैन ने कहा कि शहर में बरसात के मौसम में होने वाले जल भराव के सभी स्थानों को चिन्हित किया गया है और वहां जल्द से जल्द पानी की निकासी हो इसके लिए निगम द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज सेक्टर 15 की विभिन्न सड़कों पर 4 करोड़ 25 लाख रुपये से स्टॉर्म वाटर लाइन बिछाने का कार्य शुरू करवाया गया है जिससे क्षेत्र वासियों को जल भराव की समस्या से निजात मिलेगी। इस स्टॉर्म वॉटर लाइन को ओसराम चौक और सिविल अस्पताल के आगे से होते हुए ड्रेन नंबर 6 में जोड़ा जाएगा। इस अवसर पर निगम पार्षद बबीता कौशिक, जिला प्रवक्ता त्रिभुवन कौशिक, सुमित बत्रा, सागर चोपड़ा, पवन तनेजा, राजेश गर्ग, रवि ग्रोवर, अनिल पुष्करणा, तुषीर प्रधान, कुलदीप वत्स आदि लोग मौजूद रहे।

नया बांस में महिला पंच ने सुसाइड किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

गांव नया बांस में दहेज उत्पीड़न से तंग आकर एक नवविवाहिता पंचायत सदस्य ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। उसकी शादी को अभी 11 महीने ही हुए था और उसका डेढ माह का बेटा भी था। मृतका के पिता ने खुबडू झाल पुलिस चौकी में ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए शिकायत दी। शिकायत में पानीपत जिले के गांव खोजकीपुर कलां निवासी धनीराम ने बताया कि उसकी 25 वर्षीय बेटी रवीना गांव खोजकीपुर में पंचायत सदस्य थी। उसकी शादी 18 नवंबर 2024 को गन्नौर के गांव नया बांस निवासी दीपक के साथ हुई थी। आरोप है कि विवाह के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित करने लगा। 23 अक्टूबर को दीपक ने डायल पुलिस को सूचना दी कि रवीना कमरे में बंद है। सूचना पर पुलिस चौकी खुबडू झाल से पुलिस मौके पर पहुंची। दरवाजा तोड़कर देखा गया तो रवीना पंखे पर फांसी से लटकी मिली। आरोप लगाया कि रवीना का पति दीपक, सास लाजवंती, ससुर सुरेश, देवर अमित, ननद पूजा और बुआ का बेटा मीनू उस पर गाड़ी और अन्य सामान लाने का दबाव बनाते थे। गन्नौर थाना पुलिस ने मृतका के पिता धनीराम की शिकायत पर पति दीपक, सास लाजवंती, ससुर सुरेश, देवर अमित, ननद पूजा और बुआ का बेटा मीनू पर दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कर लिया है।

- पिता की शिकायत पर पति सहित अन्य पर केस

मृतका रवीना का फाइल फोटो

बच्चे के सिर से उठा मां का साया

धनीराम ने बताया कि शादी बेटी पर लगातार गाड़ी और पैसे लाने का दबाव बनाया गया। कई बार उसे भूखा रखा गया और मारा-पीटा गया। उसकी बेटी अक्सर फोन पर रोते हुए उन्हें सारी बात बताती थी। डेढ़ महीने पहले उसने बेटे कनिष्क को जन्म दिया था। रवीना की मौत के बाद बच्चे के सिर से मां का साया उठ गया।